

मराठी

काव्य

अनुक्रमांक

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ५१६५२३६२३

ग्रंथ नाम अनेक प्रकारचे

विषय मराठी काव्ये.



सुमाचिकास

(सदाशिव)

जे नातदेवाचें

भासाचिकास

राजे श्री या वीराजी तारा जामनेरा जे यशवा

आ मा रं ताव विमल कृष्ण सुम चह

सदाय

मिमातसककवु

सदाय

गीतकक



Collection of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

उमा विमानः

(सुधासोप)

गाणे नाम देवाचे

भाभा विलास

(२)

बुद्धिको लुहायि ॥ चरित्र खींचे ॥ गानेनाम देवाचे

॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥

रामनामापि नर ॥ नारायणेश्वर ॥ वरवै
॥ सोनियाजातो ॥ ॥ ॥
॥ कंधंदाघेनो ॥ उख ॥ सो ॥ दुनेदेनो ॥ कु
॥ जेण ओसेजाण ॥ पशुभाट्यासमान ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥

राजेष्ठीयाजीराजातरा
नामेराजेष्ठीराप्रजीमा
कोटदशा

॥ ध्यावि ॥ सधान आ जुनाचे ॥ बळनिमाचे ॥
 ॥ भावतो नंदिचा ॥ लोचन तो मातेचा ॥ मार्ग तो ग
 ॥ जाचा ॥ उछाव पुत्राचा ॥ दाहो म्ही पिचा ॥ लो
 ॥ डिये डक्याची ॥ आवटो षटो छियाचे ॥ चालिरा
 ॥ जहं सावि ॥ दही का नळ्याचे ॥ श्री श्री आंग दा
 ॥ ची ॥ विष्ठाद प्रनव ॥ क्रिया कर्म ब्राह्मण
 ॥ ये ॥ आषाढा दिवि ॥ रताचे ॥ महिमा व
 ॥ राची ॥ आळका ॥ च्या ॥ गर्व वाचणाचा
 ॥ दव्य कुबेराचे ॥ सेवक पण्डित पुमंताचे ॥ रुचिल
 ॥ यणाचे ॥ मिठामगराचे ॥ ककाचंद्राचे ॥ तेज
 ॥ सुयचे ॥ आढळ पद पृथ्वीचे ॥ तिर्थयात्रा चारा
 ॥ रासिचे ॥ माळ तुळसिचे ॥ रास कुण्डळाचे ॥

॥ लाटा उके आसत ते जान काहे ॥ तरि न पाणि
 ॥ तो स्वर्गिचि पुष्प पाहे ॥ तुदि मित जाणुनि
 ॥ दिव्हे हरि ला ॥ सखे ते क्षणि आपिले रु
 ॥ कमी निला ॥ ४० ॥ सखे देखता देहु हे भग्नता
 ॥ ले ॥ लगे ल्या ॥ काय काय केले ॥
 ॥ लगे नि तुझे पा ॥ त धरि गेहि ॥ परिलगा ॥
 ॥ गला मोहया ॥ ४१ ॥ तुमि तो युगे नु
 ॥ लये के चढाई ॥ परि हाक को व्यर्थ काई ॥ ब
 ॥ हुमिल जे धे जरि तुठी जाल्या ॥ जिघोया ॥
 ॥ हुनि ते फारगे सुख मे ल्या ॥ ४२ ॥ हरि विन ॥

॥ नीया ज कम नि न प नं द नित्य ॥ सा बोल ति शृ ण म
॥ स रे न ये म स आ ह्मा ॥ गे ला क सा क र नि गे आ
॥ प क र्ष ब्र ह्मा ॥ २५ ॥ आ व लो कि ता द क द म च रि
॥ त्रे ने त्रे ॥ तो आ णि ले पु स्य दि रं चि पु त्रे ॥ दे ता वि
॥ तेषे भ ग त म त्र म त यि सु द्म ति कु मा
॥ रि ॥ ३० ॥ त श ब्द ते ति व्र जाल ॥ जै सा
॥ पी डि आ कु र शो ग जाल ॥ फा डु नि या टा कि त ॥
॥ भु ष णा ते ॥ का ला वि ले गे म ज दु ष णा ते ॥ ३१ ॥
॥ तो डि त से म र त कि केश पा श ॥ ना हि जि वा यि ॥
॥ म ज ल गि आ श ॥ फा डु नि या क चु कि सि ध्र ॥
॥ टा कि ॥ ते भ ण लि ष्वां तरि दः स्व टा यि ॥ ३२ ॥



॥ मुनिकुसुमघेउनिनेप्रसंगि ॥ देखोनियायदु ॥
 ॥ विरेबहुमानकेला ॥ किपप्रजेभुवआसेककि
 ॥ लभुकेला ॥ २६ ॥ मंदारपुष्पसमरंगणिनार
 ॥ दाने ॥ दिलेहरीबहुतउदारदाने ॥ घेउनिया
 ॥ कुसुमतेनयकं ॥ ॥ सक्मीणिप्रतिह
 ॥ ठाहुरिचकुपा ॥ ॥ ज्यन्यपदिविमल
 ॥ संचलिवियेणि ॥ ता ॥ ललाभिमकजेफुलखा
 ॥ वियेणि ॥ ॥ उल्लेखदेखुनिप्रज्ञाहिनसर्वदुति ॥
 ॥ सुयोदिइत्यनभवापितचंदुजाति ॥ २७ ॥ अ
 ॥ ल्मासखाकधुनुसावदनेदुनिया ॥ देखो ॥

(७)

॥ देवाळासि त्रिजना तेल आशि शोभा ॥ निके प्रणे ॥
॥ निपद वंदिते पद्मनाभा ॥ तेने नगा वरिज गानिल
॥ शिशु सुता ॥ आकर्षिता प्रगटलि सुसुमा प्रसुता ॥
॥ १६ ॥ स्पृको स्म उकि मंडा शोभाताति ॥ देरयो निलज्जि
॥ तज्जास जाहाल ॥ आकर्षक दशातिल ॥
॥ तिल सर्वयत्रा ॥ ॥ रचिकरणि विचित्र
॥ १७ ॥ भाषा परलोक ॥ ॥ ओको पिया
॥ कुंडित तुंबराने ॥ आमा जेव प्रेरणिस सर्वदासी ॥
॥ गेला कसा सा गुणिगे उदासि ॥ १८ ॥ आनाम
॥ चेपाटि बसुनि सुरयते काये मजला ॥ आरुपिस
॥ वेसु आगुणि आकुलि पुडी कुकला ॥ वज्याने

॥ तान पुसता हार चालिला ॥ न घाल पातुल झुल

॥ जवे गळा ॥ १२ ॥ तुष्टिच जाउनि यार धपाळता ॥

॥ सदन निहु निहुरि पंधयि चालिता ॥ मुरडुनी रथ

॥ मोहुरि रीकडे ॥ तुरंगलो तुनि सके पुढे वावडा

॥ १३ ॥ मज यिना सपना यकाचुता ॥ तरुन शो

॥ भतज सानसत ॥ तुने किल तोललना ॥

॥ जरि ॥ हिणत ज्यां व ॥ करि शरि ॥ १४ ॥ जाणो ॥

॥ नीकुर मगला ॥ टित स्ये दनाते ॥ बाहुरि सल

॥ रनि घेयु मेह तिते ॥ रेवाचकार मप बाहुनि

॥ विश्वकृमी ॥ पाचारु निहुरि लुगे करिय कंकुम

॥ १५ ॥

(१)

॥ मित्राप्रविलासप्रारम्भ ॥

॥ वंदु गजाननविराजितसिंदुराने ॥ आवर्निजेवद ॥

॥ निसंपुरंधराने ॥ आशि शशिगळनगंडमदोदका

॥ ने ॥ जोट्टससुंदरचतुर्भुजमादकाने ॥ १ ॥ पद्मा

॥ सनिनमिसरस्वर्ग ॥ सिद्धाष्टस्वरूपह

॥ दईगुल्लविलास ॥ रत्नपेरिकथाकथु

॥ लानवाचे ॥ अर्काने ॥ उदतिविखलानचा ॥

॥ ये ॥ २ ॥ आकांक्षीरजोहरिहरिससमाम्ना ॥

॥ केलाआसेवशहितोहरिससमाम्ना ॥ सोळास

॥ ह्रस्वहुतआहेतपुवनारि ॥ नाहिव्यासाव ॥

॥ स्पआसेमजपवनारि ॥ ३ ॥ मिलाधने

८॥१॥ ५

॥ति करि हे कोण नारि सिरि ॥ प्यालो मि विरा ॥
॥ दा होत बहु करि स्पगं विमाथा धरि ॥ स्वर्ग
॥ बुवद सितारि वदन काते चंद चुडामणि ॥
॥ नो व्हो आननारुपं कडा आसे हे ससुमानि
॥ मनि ॥ १७ ॥ कवि यष्टु को विलसति
॥ हे सांग गंगोपा क पद्म परा सेवन क
॥ राया वै सलेष्टंगाना क सा शोभति मृदुता
॥ कधि मुरे हे तु मला बांबका घाकांते आव
॥ दक तस्या स उद कि हे लायि ति विचका ॥ १८
॥ मि मुका फळ माळ शोभत गळ कै रिकथे
॥ ये क्षणि ॥ ते तो साणु तं रग हात उठ निसे



॥ लि ॥ २३ ॥ तनु नातु शिव्या पाकाजिक्
 ॥ पथिचालताधामआलाउ होने ॥ यधु
 ॥ चारजस्यादिसेजोव्यहोठि ॥ उटेशंखव
 ॥ धनहुमिध्यगोछि ॥ २४ ॥ बहुयेतसेवास
 ॥ तुस्यारारि ॥ पुजाभकिहुकेलिंगधोपा
 ॥ चारि ॥ नखा ॥ रसतिडाईडाई ॥
 ॥ जगरेखेकलो ॥ तातपाहि ॥ २५ ॥
 ॥ कंठकंकुषा ॥ पुजा ॥ जगरेगे
 ॥ तरिमारलेसंघबेले ॥ आसिसर्वसंप
 ॥ दनितनेकेलि ॥ तदापार्यतिदृष्टिनि
 ॥ उध्यगेलि ॥ २६ ॥ एछापार्यतिशंभुन



॥ गिरजला ॥ गुप्तेष्टविनयदेवुजसुंदरि ॥ ३५ ॥
 ॥ दिनापडेतिविलुजगेवरे ॥ ३६ ॥ तेष्टणव ॥
 ॥ चनदयामजहस्तकि ॥ ३७ ॥ टविलमगसिवेमिज ॥
 ॥ मरुकि ॥ यापरिकुसनिखादरागोनमि ॥
 ॥ पोतलसिवले ॥ ३८ ॥ आला ॥
 ॥ उलंघोनिगिरज ॥ ३९ ॥ तोपार्यतिनेदि ॥
 ॥ धलिकपाट ॥ ४० ॥ मरुनुमगहाकुमारि ॥
 ॥ तेबोत्तलिहा ॥ ४१ ॥ आसेकानदरि ॥ ४२ ॥ बोले ॥
 ॥ मिहुरिनीळकंटमि ॥ ४३ ॥ आसेकापोळखिरां ॥
 ॥ डिदि ॥ ४४ ॥ आहटाउकटोमयुर ॥ ४५ ॥ मजळाटा ॥
 ॥ सोदितिकोरिमि ॥ ४६ ॥ नावेपोरमिवाळ ॥

॥ परियदुनिया कुतपडे ॥ दृष्टनाकपिटु ॥
 ॥ निवद निरडे ॥ प्राणतोयदुनिये उनिराहि ॥
 ॥ ला ॥ देखुनि खरित नारदया किल ॥ ३२ ॥
 ॥ जाउनि मुनि जे जे मंगल जे जे ॥ तुज पिना बहु ॥
 ॥ तव्या कुकल न ॥ नाडिल गमे हृदई ॥
 ॥ मला ॥ ३३ ॥ जे ॥ गसदा सिय्या कि ॥
 ॥ ला ॥ ३३ ॥ ज्यां ॥ तरे मंगसाते ॥ कग ॥
 ॥ ये हे जुनि जा सिल माते ॥ शंनु बोलत मुखे ॥
 ॥ मृषा गंगे ॥ चालतु महर मज संगे ॥ ३४ ॥
 ॥ ने सितु पारथकिरे मला ॥ क्रोध ये रील बु

॥ मुनि जेण कामन व्याध केले ॥ शंभु शेष
 ॥ त्या घर बुडविले ॥ २२ ॥ पुढाव देनार दत्त
 ॥ डिविता ॥ मंदाकिनि हे करि निज कांता ॥ शारि
 ॥ रतिचे आशु भवार्ण ॥ मय रतिचे तरिके न
 ॥ वार्णि ॥ २३ ॥ यारे सहा आपणि
 ॥ जाणे निवा शं ॥ पणि ॥ २४ ॥ गंगारि
 ॥ करिता विल ॥ के का सभु पावीति
 ॥ नानान्न स्वाद्य गायेन करि बैसोनिया प
 ॥ वृति ॥ वस्त्र सुंदर नुषण उभयें तालविनी
 ॥ सह ॥ असे सोख्य असे पंरतु न विटयु
 ॥ ये कदाचित हो ॥ २५ ॥ हच या ते निदि



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com